

Title: Need to augment railway facilities in Azamgarh district, Uttar Pradesh.

डॉ. बलीराम (तालगंज): आजमगढ़ पूर्वी उत्तर प्रदेश का बहुत ही महत्वपूर्ण जनपद है। यह तमसा के पावन तट पर स्थित देश की महत्वपूर्ण नदियों गंगा एवं घाघरा के मध्य बसा हुआ है। यह जनपद प्राचीन काल से ही अनेक ऋषि-मुनियों, मनीषियों, विन्तकों, विद्वानों एवं स्वतंत्रता सेनानियों की जन्म स्थली रहा है। यह मण्डल होने के कारण पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण जिला है।

यहाँ रेलवे क्रासिंग पर एक ओवर ब्रिज बनाया गया है परंतु वह इतना संकरा है कि उस पर एक साथ 2-3 गाड़ियाँ नहीं आ - जा सकती हैं जिस कारण इस पर जाम की समस्या बनी रहती है। जिस उद्देश्य के लिए इस ओवर ब्रिज का निर्माण कराया गया था, वह वर्तमान में सार्थक नहीं हो पा रहा है। साथ ही इसकी गुणवत्ता भी बहुत घटिया है।

आजमगढ़ रेलवे स्टेशन पर सेकेण्ड और थर्ड प्लेटफार्म का निर्माण काफी समय से चल रहा है लेकिन काफी समय व्यतीत होने के उपरान्त भी वह अभी तक बनकर तैयार नहीं हो पा रहा है। दोनों प्लेटफार्म का काम भी बहुत ही धीमी गति से हो रहा है जिससे जनता को बहुत ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धीमी गति से निर्माण के कारण इन प्लेटफार्मों की लागत भी काफी बढ़ गयी है।

दिल्ली से आजमगढ़ को रेलवे से जोड़ने के लिए यहाँ से एकमात्र कैफियत एक्सप्रेस गाड़ी है जिस पर फरिहों और सरायमीर रेलवे स्टेशन पड़ते हैं, परंतु इन स्टेशनों पर इस ट्रेन का ठहराव न होने से यहां की जनता को बहुत परेशानी होती है तथा लंबी दूरी तय कर उन्हें इस ट्रेन को पकड़ने के लिए आजमगढ़ आना पड़ता है।

संसदीय क्षेत्र के भ्रमण के दौरान यहाँ की जनता द्वारा बार-बार कैफियत ट्रेन का ठहराव फरिहों एवं सरायमीर रेलवे स्टेशन पर करने का अनुरोध किया जाता है। मैं स्वयं यहाँ की जनता की परेशानी से व्यक्तिगत रूप से परिचित हूँ।

इसलिए मेरा रेल मंत्री जी से अनुरोध है कि जनहित में ओवर ब्रिज की चौड़ाई बढ़ाने, आजमगढ़ रेलवे स्टेशन पर सेकेण्ड एवं थर्ड प्लेटफार्म का निर्माण तीव्र गति से कराने तथा फरिहों एवं सरायमीर रेलवे स्टेशन पर कैफियत एक्सप्रेस का दो-दो मिनट का ठहराव करने का कष्ट करें।